कार्ल पापर - KARL POPPER

1902 - 1994.

प्रमुख पुस्तकें - The Open Society and its enemies.
The Logic of Scientific Discoveries.
In Search of Better World.
All Life is problem solving unded quest.
The Self and it's Brain.
The Poverty of Historicism.
इसमें पहली अंतिम पुस्तक अधिक मशहूर है।

खुले समाज का विश्लेषण - Popper ने अपनी किताब Open Society and it's enemies में Plato, Marx और Hegel के चिन्तन को खुले समाज का शत्रु बताया है। क्योंकि इन तीनों के ही चिन्तन में व्यक्ति राज्य में गुम कर दिया जाता है या व्यक्ति का राज्य में विलय हो जाता है। यह स्थिति बंद समाज close society पैदा करती है।

पापर के अनुसार खुले समाज में

1- सबको समान की स्वतंत्रता होती है।
2- सबको समान अवसर मिले होते है।
3- अपनी पसंद का धर्म, व्यापार, चुनने की स्वतंत्रता हो।
4- वर्ग संरचना इतनी कमजोर होती है कि एक वर्ग से दूसरे वर्ग में जाने के अवसर उपलब्ध हों, और यह बहुत आसान हो।

ऐसे खुले समाज की के तीन प्रमुख विशेषताएं बताते हैं -

1- **स्वतंत्रता** --- Plato की राज्य विकेन्द्रित योजना में व्यक्ति एक मशीन का दास जैसे है, वह स्वतंत्र नहीं हैं। ऐसा ही Hegel के दर्शन में है जहाँ स्वतंत्रता का अर्थ है राज्य के कानूनों का अनुपालन करना। Marx के क्रांति के बाद के राज्य में भी व्यक्ति सर्वहारा की वंचित तानाशाही में दबकर रह जाता है। इसलिए बन्धन रहित स्वतंत्रता, अवसर की समानता और विरोध का अधिकार आदि खुले समाज के लिए आवश्यक है।

2- **मानवता - HUMANITY** Popper की मानवता नैतिक नहीं है। बल्कि इसका अर्थ है - समान स्थिति में रहना। स्वतंत्रता और अवसर की समानता की सार्वभौमिक उपलब्धता जो Plato, Hegel और Marx के चिंतन में नहीं है।

3- **विवेकशीलता** — पापर के लिए विवेकशीलता का अर्थ है स्वतंत्रता, समानता, न्याय और विचारों/अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का प्रयोग और विवेकशीलतापूर्वक आलोचना या विरोध का अधिकार।

इस प्रकार Popper के अनुसार एक खुला समाज वह समाज है जहाँ लोगों को अपनी न केवल आर्थिक या राजनैतिक बल्कि सामाजिक हैसियत बदलने के अवसर सदैव सुलभ हों, और वह ऐसा कर सकें। राजनीतिक प्रतिरोध और आलोचना का अधिकार सर्वसुलभ हो।

इतिहासवाद का खण्डन

Karl Popper के अनुसार इतिहासवाद तानाशाही को बढ़ाता है। हर तानाशाह इतिहास की सहायता लेता है और इतिहास के पात्रों का चयन कर उनका महिमा मण्डन करता है।

Open Society and it's enemies में उसने मार्क्स के इतिहास की भौतिकवादी व्याख्या की कठोर आलोचना इसीलिए की है। पापर के अनुसार —

1- इतिहास में घटनाएं किसी बंधे बंधाए नियम से घटित नहीं होतीं।
2- इतिहासवाद एक मिथ्या चेतना है।
3- ऐतिहासिक घटनाओं के लिए कोई एक कारक उत्तरदायी नहीं है।
4- इतिहासवाद का प्रयोग परिवर्तनों को रोकने के लिए किया जाता है।
5- इतिहासवाद के आधार पर भविष्यवाणी बेकार है।

इस प्रकार पापर इतिहासवाद और स्वतंत्रता को परस्पर विरोधी मानता है। इतिहासवाद का प्रयोग तानाशाह शक्ति को संकेन्द्रित कर स्वतंत्रता को कुचलने के लिए करते हैं।

हीगल के नियतिवाद का खण्डन — पापर के अनुसार हीगल का नियतिवाद अर्थात् सब कुछ पहले से तय है, Marx के इतिहासवाद की भांति

स्वतंत्रता और विरोधी है। Hegel का विचारधारा [illegible] राष्ट्रीय स्वतंत्रता के अतिरिक्त, व्यक्ति के [illegible] विरुद्ध है। Hegel के राज्य की सम्प्रभुता का [illegible] ही स्वतंत्रता है। [illegible] सब कुछ पहले तय है तब मानवीय प्रयासों का कोई उपयोग ही नहीं रह जाता। यह एक प्रकार के परिवर्तन का अवरोध करता है।

इस प्रकार पॉपर की खुले समाज का विश्लेषण, उन्हीं के समर्थन में इतिहासवाद और नियतिवाद का खंडन ना स्वतंत्रता की रक्षा का प्रयत्न है। अतः खुले समाज का विश्लेषण समाज के हर व्यक्ति की स्वतंत्रता की वकालत है।

ASSIGNMENT—

प्रश्न - पॉपर की पुस्तकों के नाम बताइए।

प्रश्न - किन दार्शनिकों को खुले समाज का शत्रु बताया है और क्यों?

प्रश्न - खुले समाज की व्याख्या कीजिए।

प्रश्न - पॉपर द्वारा इतिहासवाद और नियतिवाद के खंडन की व्याख्या कीजिए।